RNI No. : UPHIN/2017/74695

डाक पंजीकरण सं. :
एस.एस.पी./एल.डब्लू./एन.पी. - 558/2024-2026

स्टूडियो न्यूज

वर्ष : 8 अंक : 03 | लखनऊ, शुक्रवार, 6 सितम्बर 2024 से 5 अक्टूबर 2024 | पृष्ठ : 16 | मूल्य : 10 रूपये

सम्पादक की कलम से ...

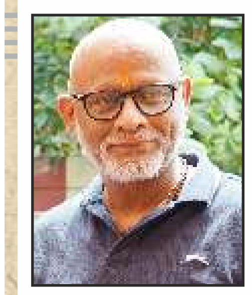

मेरे फोटोग्राफर साथियो,

स्टूडियो न्यूज़ के सितम्बर 24 अंक के साथ हम आपके समक्ष हैं। आप सभी का स्टूडियो न्यूज़ के एक और अंक में स्वागत है। यह गर्व की बात है कि स्टूडियो न्यूज़ के माध्यम से हम 14 राज्यों के फोटोग्राफ़रों तक लगातार पहुँच रहे हैं और उनको इमेजिंग इंडस्ट्री में आने वाली नयी टेक्नोलॉजी एवं बदलाव के बारे में अवगत करने की कोशिश कर रहे हैं। हम फोटोग्राफी के क्षेत्र में हो रहे बदलावों, नवीनतम तकनीकों और उभरती हुई प्रवृत्तियों को आप तक पहुँचाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

आज की दुनिया में, फोटोग्राफी केवल कला नहीं रही, बल्कि यह तकनीकी रूप से भी, बहुत परिष्कृत हो गई है। नए कैमरे, उन्नत लेंस, और फोटो एडिटिंग सॉफ्टवेयर ने हमारे काम को और प्रभावी बना दिया है। परंतु, इन तकनीकों को समझना और उनका सही तरीके से उपयोग करना हर फोटोग्राफर के लिए जरूरी है। इसलिए, स्टूडियो न्यूज़ का उद्देश्य सिर्फ आपको सूचना देना नहीं है, बल्कि आपको उन जानकारियों से रूबरू करना है, जो आपके काम को और बेहतर बना सके।

आज फोटोग्राफी में फोटोग्राफर्स को नई चुनौतियाँ भी बहुत है जैसे, **टेक्नोलॉजी का तेजी से बदलना :** फोटोग्राफी के क्षेत्र में तकनीकी बदलाव बहुत तेजी से हो रहे हैं। नए कैमरा मॉडल, सॉफ्टवेयर अपडेट और एडिटिंग टूल्स लगातार आ रहे हैं। इसका समाधान है, फोटोग्राफर्स को निरंतर सीखते रहना चाहिए और अपने उपकरणों को अपडेट रखना चाहिए। वेबिनार, कार्यशालाओं और ऑनलाइन कोर्सेज के माध्यम से नवीनतम तकनीकों को सीखें। **सोशल मीडिया और कॉन्टेंट ओवरलोड :** सोशल मीडिया पर बहुत अधिक कॉन्टेंट होता है, जिससे अपने काम को अलग दिखाना मुश्किल हो जाता है, इसके लिए फोटोग्राफर्स को अपनी एक विशिष्ट शैली और ब्रांड विकसित करना चाहिए। उच्च गुणवत्ता वाली सामग्री और निरंतर पोस्टिंग से आप अपनी पहचान बना सकते हैं। **पाइरेसी और कॉपीराइट मुद्दे :** डिजिटल युग में फोटोग्राफी की पाइरेसी और बिना अनुमति के उपयोग एक बड़ा मुद्दा है। समाधान के लिए फोटोग्राफर्स को अपनी तस्वीरों पर वॉटरमार्क लगाने चाहिए और कॉपीराइट कानूनों के तहत अपने काम की सुरक्षा करनी चाहिए। **बाजार में प्रतिस्पर्धा :** फोटोग्राफी का क्षेत्र अत्यधिक प्रतिस्पर्धी है, जिसमें बहुत सारे नए फोटोग्राफर्स आ रहे हैं। समाधान यह है कि फोटोग्राफ्स को अपने क्लाइंट्स के साथ अच्छे संबंध बनाने, उत्कृष्ट सेवा प्रदान करने और अपने कौशल में निरंतर सुधार करने पर ध्यान देना चाहिए। **पर्यावरणीय और नैतिक चुनौतियाँ :** फोटोग्राफी करते समय पर्यावरणीय नुकसान और नैतिक मुद्दे सामने आते हैं, जैसे वन्यजीव फोटोग्राफी में जानवरों को परेशान करना। समाधान यह है कि फोटोग्राफर्स को नैतिक और पर्यावरणीय जिम्मेदारियों को समझना चाहिए और उनके अनुसार काम करना चाहिए। उन्हें अपने काम में स्थिरता और नैतिकता को प्राथमिकता देनी चाहिए। इन चुनौतियों का सामना करने के लिए फोटोग्राफर्स को निरंतर सीखने, तकनीकी रूप से अपडेट रहने, और नैतिकता को बनाए रखने की आवश्यकता है।

इस अंक में, हम आपको नवीनतम कैमरा उपकरण, कैमरा लेंस, वेडिंग फोटोग्राफी से सम्बंधित लेख, विभिन स्थानों में आयोजित फोटोग्राफी वर्कशॉप एवं फोटोग्राफी प्रदर्शनी के बारे में बताएंगे। इसके साथ ही, हमारे विशेषज्ञों द्वारा तैयार किए गए फोटोग्राफी टिप्स और ट्रिक्स आपके शिल्प को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में सहायक होंगे। हम उन कहानियों और प्रेरणादायक व्यक्तियों को भी उजागर कर रहे हैं, जिन्होंने अपनी रचनात्मकता और तकनीकी कौशल से फोटोग्राफी की दुनिया में एक मिसाल कायम की है। हमारा प्रयास है कि हम हर अंक के माध्यम से आपको कुछ नया सीखने और समझने का अवसर दें। हम आपके अनुभवों, सुझावों और प्रतिक्रिया का हमेशा स्वागत करते हैं। आपकी प्रतिक्रिया से हमें और बेहतर करने की प्रेरणा मिलती है।

स्टूडियो न्यूज़ की इस यात्रा में आपका साथ हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है। हम आपसे अनुरोध करते हैं कि आप इस पत्रिका को अपने फोटोग्राफर साथियों के साथ साझा करें, ताकि अधिक से अधिक लोग फोटोग्राफी की नई तकनीकों और विचारों से लाभान्वित हो सकें।

अंत में, हम सभी पाठकों का आभार व्यक्त करते हैं और आशा करते हैं कि आप इस अंक का आनंद लेंगे और इससे कुछ नया सीखेंगे। शेष अगले अंक में। आप और आपका परिवार सुखी एवं स्वस्थ रहे ऐसी ईश्वर से कामना हैं। फोटोग्राफी से सम्बंधित किसी भी समस्या एवं जानकारी हेतु आप हमें प्रातः 11 से सायं 7 बजे तक दूरभाष 0522-4108575 / 0522-3654971 पर संपर्क कर सकते है।

सुरेंदर सिंह बिष्ट, सम्पादक

निकॉन का बहुप्रतीक्षित कैमरा Z6III लॉन्च

लखनऊ में 9 अगस्त 2024 को निकॉन इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर सज्जन कुमार ने बहुप्रतीक्षित कैमरा Z6III को लॉन्च किया। उन्होंने बताया कि यह हाई-परफॉर्मेंस फुल फ्रेम मिड सेगमेंट कैमरा है जो प्रोफेशनल्स एवं उत्साही लोगों के लिए वीडियोग्राफी एवं फोटोग्राफी को नए सिरे से परिभाषित करने के लिए तैयार है। इस कैमरे में दुनिया का पहला पार्शियली स्टैक्ड सेंसर लगा है।

अन्तर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय खबरें

RICOH ने G900 II और G900SE II की घोषणा की

RICOH ने निर्माण, मैन्युफैक्चरिंग, आपदा राहत और हेल्थकेयर जैसे कठिन जगहों पर काम करने के लिए दो नए कैमरे डिज़ाइन किये हैं, जिनका नाम RICOH G900II और RICOH G900SE II है। ये कैमरे बहुत मज़बूत हैं और पानी, धूल, झटके और कई तरह के खतरनाक पदार्थों को सहन कर सकते हैं।

ये कैमरे 20 मीटर गहरे पानी में भी दो घंटे तक काम कर सकते हैं। हालांकि ये छोटे और हल्के हैं, लेकिन इनकी बनावट बहुत मज़बूत है। कैमरे के लेंस के सामने एक खास तरह का सुरक्षा कांच लगा है जो कैमरे के दूसरे महत्वपूर्ण हिस्सों को भी सुरक्षित रखेगा।

Black Magic Camera App एंड्राइड और IOS दोनों पर उपलब्ध

Blackmagic कैमरा ऐप को अब आप Android और iPhone दोनों में इस्तेमाल कर सकते है और अपने फोन को एक बेहतरीन कैमरे में बदल सकते हैं। v 2.0 अपडेट में रिमोट कंट्रोल और रिमोट मॉनिटरिंग सुविधाएं हैं जिससे आप एक साथ कई फोन से वीडियो बना सकते हैं और यह नए ऐप Apple silicon -संचालित iPad Pros के लिए भी समर्थन जोड़ता है। ये ऐप आपको दूर से ही कैमरों को नियंत्रित करने की सुविधा देता है।

Manfrotto Befree ने Advanced AS.GT PRO 3-Way और GT PRO Tripod Legs की घोषणा की

Befree लाइनअप में और भी ज़्यादा विकल्प हैं! आप Arca-compatible, हाइब्रिड या सिर्फ पैरों वाला स्टैंड चुन सकते हैं। हर तरह का स्टैंड एल्युमिनियम और कार्बन फाइबर दोनों में मिलेगा, ताकि आपको अपनी ज़रूरत के हिसाब से सबसे अच्छा स्टैंड चुन सकें।

Manfrotto का कहना है कि ये नए ऐडिशन अलग-अलग वातावरणों में उच्च-गुणवत्ता वाली इमेज और वीडियो कैप्चर में सहायता करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं तथा पेशेवर फोटोग्राफरों के काम को सरलता प्रदान करता है।

Sandisk ने स्टोरेज क्षमता में नया कीर्तिमान स्थापित करते हुए 8TB SD कार्ड और 4TB microSD कार्ड पेश किये

SanDisk ने 8TB SD कार्ड और 4TB microSD कार्ड पेश करके मेमोरी कार्ड बाजार में क्रांति ला दी है। ये कार्ड्स फोटोग्राफर्स, वीडियोग्राफर्स, और स्मार्टफोन यूज़र्स के लिए अधिकतम स्टोरेज क्षमता

प्रदान करते हैं। हालांकि, ये कार्ड UHS-I स्टैंडर्ड का पालन करते हैं, जिसमें क्षमता पर ज्यादा ध्यान दिया गया है, लेकिन ये डिजिटल स्टोरेज की दुनिया में एक बड़ा बदलाव लाते हैं।

TILTA ने BT03 टेबलटॉप ट्राइपॉड और VT05 ट्रेवल वीडियो ट्राइपॉड के साथ लाइनअप किया

Tilta VT05 एक कार्बन फाइबर ट्राइपॉड है, जो खास तौर पर वीडियो शूटिंग के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह हल्का और पोर्टेबल है, इसे आसानी से कहीं भी ले जाया जा सकता है। इसमें कैमरे को स्थिर रखने के लिए आर्क स्विस क्विक रिलीज़ प्लेट है। जो फोटो और वीडियो दोनों शूट करने में मदद करती है।

Tilta BT03 एक छोटा टेबलटॉप ट्राइपॉड है, जो मुख्य रूप से फोटोग्राफी के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसे टेबल पर रखकर इस्तेमाल किया जाता है हालांकि, इसमें भी आर्क स्विस माउंट है, इससे आप चाहें तो वीडियो भी शूट कर सकते हैं।

Viltrox ने Sony E-mount के लिए AF 56mm F1.7 APS-C लेंस की घोषणा की

Viltrox AF 56mm F1.7 APS-C लेंस SONY के E-माउंट मिररलेस कैमरों के लिए बनाया गया एक कॉम्पैक्ट पोर्ट्रेट लेंस है। यह एक शानदार विकल्प है, जो आपको तेज और सुंदर तस्वीरें लेने में मदद करता है। यह लेंस कॉम्पैक्ट और हल्का है।

इसकी फोकल लेंथ 56mm (APS-C सेंसर पर फुल फ्रेम के बराबर 85mm) है। इस लेंस का अपर्चर F1.7 होने से कम रोशनी में भी अच्छी तस्वीरें मिलती हैं और सुंदर बैकग्राउंड ब्लर (बोकेह) बनता है। यह फास्ट और शांत STM मोटर के साथ सटीक ऑटोफोकस करता है। इस लेंस से आप खूबसूरत पोर्ट्रेट्स, फैशन फोटोग्राफी और अन्य विषयों की तस्वीरें ले सकते हैं।

Sony ने Sony Alpha तकनीक के साथ दो नए AI-Generated 4K Camcorders की घोषणा की

Sony ने दो नए AI-पावर्ड 4K कैमकॉर्डर, PXW-Z200 और HXR-NX800 लॉन्च किए हैं। इन कैमकोर्डर में हाइब्रिड ऑटोफोकस तकनीक के लिए AI प्रोसेसिंग यूनिट शामिल है, जो AI-आधारित सब्जेक्ट पहचान और फोकस ट्रैकिंग प्रदान करती है। दोनों मॉडल PXW-Z200 और HXR-NX800 में 14-मेगापिक्सल टाइप 1.0 एक्समोर RS CMOS इमेज सेंसर है। कैमकॉर्डर में 24-480mm f/2.8-4.5 जूम लेंस भी है, जो 20x ऑप्टिकल जूम प्रदान करता है।

Sony की क्लियर इमेज जूम तकनीक उपयोगकर्ताओं को 4K रिज़ॉल्यूशन में 30x Zoom और फुल HD में 40x जूम प्राप्त करने की अनुमति देती है।

Samyang ने Samyang Remaster Slim लेंस लांच किया

Samyang ने दुनिया का पहला ऑप्टिकल एक्सचेंज ऑटोफोकस लेंस, "Samyang Remaster Slim" लॉन्च किया है। यह लेंस फोटोग्राफर्स को आंतरिक ऑप्टिकल सिस्टम बदलने की सुविधा देता है, जिससे वे विभिन्न प्राइम फोकल लेंथ्स के बीच आसानी से स्विच कर सकते हैं। इसमें 21mm, 28mm, और 32mm ऑप्टिकल सिस्टम शामिल हैं, जिनकी अधिकतम अपर्चर f/2.8 है। यह Samyang का सबसे पतला AF लेंस है, जिसकी लंबाई केवल 2 सेमी और वजन 80 ग्राम है। यह लेंस केवल Sony E-mount के लिए उपलब्ध है।

Tamron का फुल फ्रेम लेंस 50-400 F4.5-6.3 Nikon Z माउंट के लिए

Tamron ने अपने फुल-फ्रेम 50-400mm F4.5-6.3 Di III VC VXD लेंस को अब Nikon Z माउंट के लिए उपलब्ध कराया है। पहले Sony E-mount के लिए उपलब्ध इस लेंस को शार्प इमेज क्वालिटी के लिए सराहा गया था। यह लेंस ऑटोफोकस के लिए लीनियर मोटर और Tamron के वाइब्रेशन कंसेशन (VC) इमेज स्टेबिलाइजेशन के साथ आता है।

24 तत्वों और 18 समूहों से बने इस लेंस की बनावट नमी-प्रतिरोधी है, और 50mm पर न्यूनतम फोकस दूरी 25cm है, जबकि 400mm पर 1.5 मीटर है। Z माउंट के लिए 50mm से 400mm तक का यह एकमात्र फुल-फ्रेम लेंस है। 1,180 ग्राम वजन वाले इस लेंस में ट्राइपॉड कॉलर शामिल नहीं है।

ProGrade Digital ने CFexpress Type A कार्ड्स लॉन्च किये

Prograde डिजिटल ने CFexpress टाइप A गोल्ड-क्लास मेमोरी कार्ड्स पेश किया है। यह कार्ड 240GB और 480GB वेरिएंट के साथ उपलब्ध है। ख़ास बात यह है कि कार्ड में थर्मल थ्रॉटलिंग शामिल है जो कार्ड को अत्यधिक प्रयोग के दौरान गर्म होने से बचाता है, 120GB कार्ड में 900 MB/s तक की रीड स्पीड और 450 MB/s की सस्टेन्ड राइट स्पीड मिलती है, जो छोटे बर्स्ट में 800 MB/s तक जा सकती है। VPG 200 सर्टिफिकेशन के साथ, यह कार्ड सोनी के मिररलेस कैमरों के लिए पर्याप्त है।

STUDIO NEWS
लखनऊ, शुक्रवार, 6 सितम्बर 2024 से 5 अक्टूबर 2024

‘ जब लोग मुझसे पूछते हैं कि मैं कौन सा उपकरण इस्तेमाल करता हूँ, मैं उन्हें बताता हूँ - मेरी आँखें। - अनसल एडम

एक्सपोज़र ट्रायंगल

अभिनीत मोहन सेठ
चाइल्ड फोटोग्राफर

(भाग-1)

नमस्कार दोस्तों। उम्मीद है आप सब अच्छे होंगे। हमने पिछले आर्टिकल्स में अपर्चर, शटर और आईएसओ के बारे में विस्तार से चर्चा की थी। हमने यह भी समझा था कि तीनो ही सेटिंग्स का बेसिक "वर्क" एक्सपोज़र को कण्ट्रोल करना ही होता है। इन तीनो की बैलेंस्ड सेटिंग के बदौलत ही आप एक पर्फेक्ट्ली एक्सपोज्ड इमेज को कंपोज़ कर सकते हैं। इसी बैलेंस्ड एक्सपोज्ड इमेज को आप "एक्सपोज़र ट्रायंगल" के नाम से भी जानते हैं। तीन तरफ से पर्फेक्ट्ली एक्सपोज्ड इमेज को यहाँ इस ट्रायंगल शब्द के माध्यम से समझाया गया है। एक्सपोज़र ट्रायंगल में सबसे पहले अपर्चर का एडजस्टमेंट किया जाता हैं। जैसा कि पिछले आर्टिकल्स में हमने अपर्चर के बारे में समझा था कि कैसे अपर्चर एक ओपनिंग हैं जिसके जरिये लाइट आपके कैमरे में एंटर करती है और इमेज को एक्सपोज़र प्रोवाइड करती है। ओपनिंग जितनी बड़ी होगी आपके कैमरे में एंटर करने वाली लाइट की क्वांटिटी उतनी ज्यादा होगी और उतनी ही डेप्थ ऑफ़ फील्ड कम होगी। अपर्चर को हम कैमरे में "एफ" नंबर से पढ़ते हैं। जितना "एफ" नंबर ज्यादा होगा उतना ही डेप्थ ऑफ़ फील्ड भी ज्यादा होगा, उतनी ही लाइट कैमरे में कम एंटर करेगी। अब जैसी आपकी सीन की रिक्वायरमेंट होगी वैसी ही आपकी सेटिंग्स भी रहेगी।

"अपर्चर" का लाइट कण्ट्रोल करने के आलावा जो दूसरा सबसे इम्पोर्टेन्ट काम है वह है "डेप्थ ऑफ़ फील्ड" को कण्ट्रोल करना। डेप्थ ऑफ़ फील्ड का मतलब होता है कि अगर आप अपने फ्रेम को फील्ड मान लें तो उसमें रक्खा हुआ शार्प और फोकस्ड सब्जेक्ट, कितनी डिस्टेंस पर रक्खा हुआ है और सब्जेक्ट के पीछे का बैकग्राउंड कितना हल्का है या कितना गहरा है इसी कॅल्क्युलेशन को हम डेप्थ ऑफ़ फील्ड या उसकी कॅल्क्युलेशन कहते हैं। अब जब "एफ" स्टॉप्स की वैल्यू के चलते आप डेप्थ ऑफ़ फील्ड को समझने की कोशिश करेंगे तो जैसे-जैसे "एफ" स्टॉप्स की वैल्यू बढ़ेगी वैसे-वैसे डेप्थ ऑफ़ फील्ड की डेप्थ बढ़ती जाएगी। मतलब आप के "अपर्चर" की "एफ स्टॉप वैल्यू" जितनी कम होगी उतनी ही डेप्थ ऑफ़ फील्ड भी कम होगी और उतना ही ज्यादा बैकग्राउंड ब्लर्र होगा मतलब उतना ही कम एरिया फोकस में होगा। अब जैसे-जैसे आप "एफ" स्टॉप बढ़ाते जाएंगे वैसे-वैसे डेप्थ ऑफ़ फील्ड बढ़ती जाएगी और उतना ज्यादा एरिया फोकस में दिखाई देगा। तो यहाँ पर यह बात याद रखने वाली है कि, "अपर्चर" जैसे लाइट को कण्ट्रोल करने का काम करता है ठीक उसी तरह से डेप्थ ऑफ़ फील्ड और अमाउंट ऑफ़ बैकग्राउंड ब्लर्र को भी कण्ट्रोल करने का काम करता है।

अब अगर "शटर" को हम अगर आसान भाषा में समझने की कोशिश करें तो वो एक पर्दा है जो कैमरे की कमांड पर गिरता और उठता है। अब आप जैसे ही अपने कैमरे को फोकस करके क्लिक वाले बटन को दबाते हैं तो डीएसएलआर कैमरे के अंदर जो मिरर लगा होता है वो अपनी जगह से उठ जाता है और शटर का एक पर्दा ऊपर से नीचे की तरफ गिरता है - जिससे आपका एक्सपोज़र सेंसर पर रिकॉर्ड होता है और फिर शटर का ही दूसरा पर्दा गिरता है जिससे शटर पूरी तरह से बंद हो जाता है। इस शटर के पर्दों के गिरने की स्पीड को ही हम "शटर स्पीड" कहते हैं। अलग-अलग शटर स्पीड के चलते ही अलग-अलग एक्सपोज़र कैप्चर होता है और उसी तरह के रिज़ल्ट्स भी देखने को मिलते हैं।

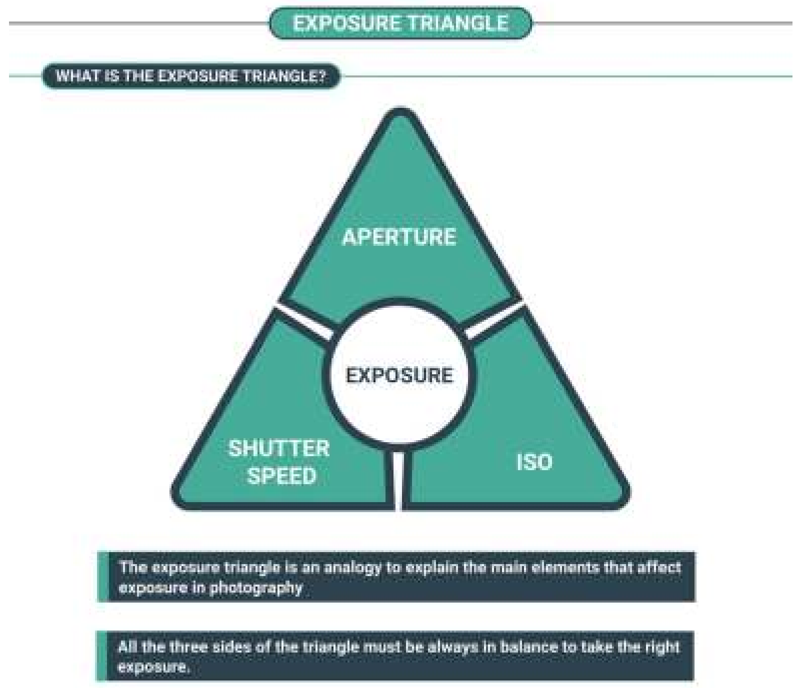

"शटर स्पीड" का मतलब है कि कितने "समय" के लिए आपका शटर खुलता और बंद होता है ताकि लाइट आपके कैमरे में एंटर करके सेंसर पर स्टोर हो सके। जितनी देर के लिए आपका शटर खुलेगा और जिस स्पीड से खुलेगा उसी स्पीड को शटर स्पीड कहते हैं। "शटर स्पीड" को 1 सेकंड के डिवीज़न में काउंट किया जाता है। शटर का असली काम मूवमेंट को कैप्चर करना होता है। मूविंग सब्जेक्ट का नेचर शटर स्पीड के द्वारा ही पता चलता है। अगर शटर स्पीड हाई होगी तो सब्जेक्ट फ्रीज दिखेगा अगर शटर स्पीड लो होगी तो सब्जेक्ट ब्लर्र दिखेगा।

"आईएसओ" का फुल फॉर्म होता है "इंटरनेशनल ऑर्गेनाइज़ेशन फॉर स्टैंडर्डाइजेशन"। जिस तरह से शटर स्पीड और अपर्चर, लाइट को कण्ट्रोल करते है उसी तरह से ही आईएसओ भी लाइट को कण्ट्रोल करने में मदद करता है। आईएसओ बेसिकली कैमरे की सेंसिटिविटी को रिकॉर्ड करके लाइट को कंट्रोल करने का काम करता है। आपका कैमरा लाइट को लेकर के कितना सेंसिटिव है यह आईएसओ के सेटिंग्स से ही डिसाइड होता है। जिस तरह से अपर्चर का साइज़ बढ़ने से कैमरे में जाने वाली लाइट बढ़ती है उसी तरह से जब आईएसओ की वैल्यू को बढ़ाते हैं तो कैमरा के लाइट को कैप्चर करने की सेंसिटिविटी बढ़ जाती है जिसके चलते कैमरे में लाइट ज्यादा कैप्चर होती है और आपकी फोटोग्राफ काफी ब्राइट निकल के आती है। आईएसओ की वैल्यू बढ़ने से कैमरे में लाइट बढ़ जाती है। आईएसओ की वैल्यूज ISO 100, ISO 200, ISO 300, ISO 400 इस तरह से बढ़ती हैं। आईएसओ का एक ड्राबैक भी होता हैं कि जैसे-जैसे आप इसकी वैल्यू बढ़ाते जाएंगे वैसे-वैसे आपकी इमेज में "नॉइज़" बढ़ती जाएगी। यहाँ पर नॉइज़ का मतलब डिजिटल नॉइज़ से है। नॉइज़ एक तरह का विजुअल डिस्टॉर्शन होता है जिसमें आपको इमेज में फटे-फटे से डिस्कलरड पिक्सेल दिखाई देते हैं। दोस्तों आज का टॉपिक अब हमलोग नेक्स्ट आर्टिकल में भी कंटिन्यू करेंगे और उसमे समझेंगे की एक्चुअल में एक्सपोज़र ट्रायंगल का इस्तेमाल आप फोटोग्राफी में कैसे करते हैं। तो दोस्तों इस अंक में इतना ही उम्मीद है आप लोगो को इस बार का आर्टिकल भी पसंद आया होगा अपना बहुत ख्याल रक्खें। बाए।

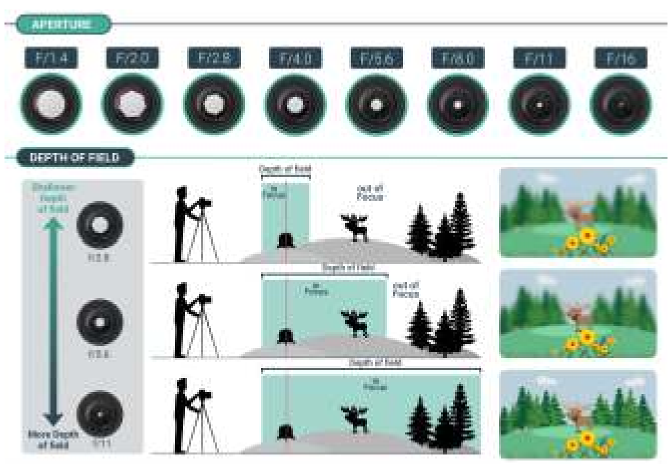

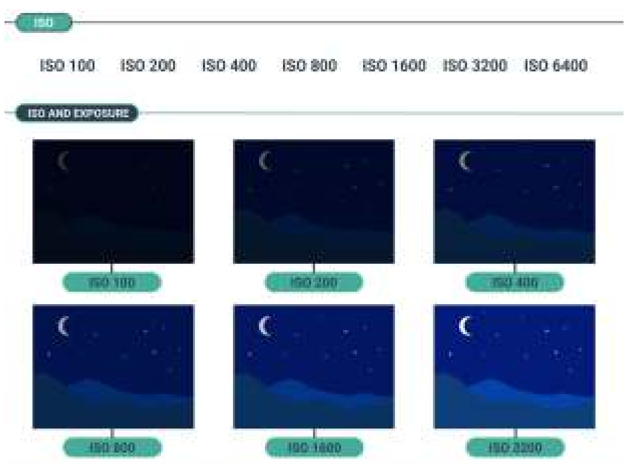

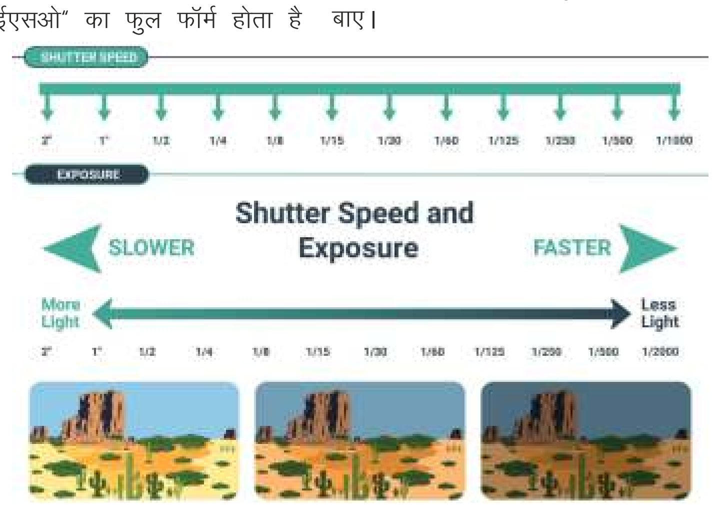

वर्कशाप एवं अन्य कार्यक्रम

देहरादून फोटोग्राफी क्लब द्वारा देहरादून में 7वाँ वार्षिक उत्सव बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। (18 अगस्त 2024)

सोनी कैमरा एवं रायगढ़ फोटोग्राफी एसोसिएशन द्वारा फोटोग्राफी वर्कशाप, रायगढ़ (छत्तीसगढ़) (04 सितम्बर 2024)

फूजीफिल्म मिनी फोटोग्राफी वर्कशाप, प्रतापगढ़ (12 अगस्त 2024)

STUDIO NEWS
लखनऊ, शुक्रवार, 6 सितम्बर 2024 से 5 अक्टूबर 2024

SIGMA

Preferred Lens for Wedding Photographers

BIG
FESTIVAL
SALE

A Art
24-70mm F2.8 DG DN II

A Art
50mm F1.4 DG DN

C Contemporary
18-50mm F2.8 DC DN

S Sports
70-200mm F2.8 DG DN OS

*L-Mount | Sony E-Mount

*Offer applicable on select lenses | *Offer valid on purchases made till 15th November 2024

Importers & Distributors
Shetala Agencies Pvt Ltd
No: 36, 5th Cross Street, Bharathi Avenue,
Kaveri Nagar, Kottivakkam, Chennai - 600041, Tamilnadu
Mobile No: +91 7305043994
Mail ID: saleschennai@shetalacamera.com

0% INTEREST
BAJAJ FINSERV
FINANCE AVAILABLE

SCAN
FOR ADDITIONAL OFFERS
*Term & Conditions Apply

निकॉन द्वारा उ.प्र. में आयोजित फोटोग्राफी वर्कशॉप्स

वेडिंग फोटोग्राफी वर्कशॉप, झांसी (07 अगस्त 2024)

वेडिंग फोटोग्राफी वर्कशॉप, बस्ती (10 अगस्त 2024)

फिल्ममेकिंग आउटडोर वर्कशॉप, प्रयागराज (21 अगस्त 2024)

वेडिंग फोटोग्राफी वर्कशॉप, फर्रूखाबाद (21 अगस्त 2024)

मिररलेस कैमरा डेमो वर्कशॉप, चित्रकूट (22 अगस्त 2024)

विलॉगर क्लासरूम वर्कशॉप, प्रयागराज (23 अगस्त 2024)

कैनन द्वारा उ.प्र. में आयोजित सिनेमैटिक फोटोग्राफी वर्कशॉप्स

मुगलसराय (09 अगस्त 2024)

मिर्जापुर (12 अगस्त 2024)

अयोध्या (16 अगस्त 2024)

आजमगढ़ (16 अगस्त 2024)

बेसिक फोटोग्राफी वर्कशाप, कैनन इमेज स्क्वायर, लखनऊ (17 अगस्त 2024)

विलॉगर क्लासरूम वर्कशॉप, प्रयागराज (23 अगस्त 2024)

अन्य प्रदेशों में होने वाले फोटो फेयर एवं एक्सपो

STUDIO NEWS

लखनऊ, शुक्रवार, 6 सितम्बर 2024 से 5 अक्टूबर 2024

किसी व्यक्ति की तस्वीर को ज्यों का त्यों उतार देना एक बात है और एक काबिल फोटोग्राफर उस व्यक्ति की आत्मा को भी उस तस्वीर में कैद कर सकता है। - पॉल कपोनिग्रो

फोटो वीडियो एशिया 2024, 29-31 अगस्त, प्रगति मैदान, नई दिल्ली

लखनऊ में 'द यूथ फोटो जर्नलिस्ट एसोसिएशन' (टाइपा) की 8वीं फोटो प्रदर्शनी

18-22 अगस्त तक, द यूथ फोटो जर्नलिस्ट एसोसिएशन (TYPA) और UNICEF ने वर्ल्ड फोटोग्राफी डे के अवसर पर एक फोटोग्राफी प्रतियोगिता और प्रदर्शनी का आयोजन किया। UNICEF की इस प्रतियोगिता के दो महत्वपूर्ण विषय थे: "स्वस्थ बच्चे के लिए स्वस्थ पर्यावरण / जलवायु परिवर्तन के प्रभाव और उनका समाधान" और "खुशहाल पालन-पोषण।" इन विषयों ने प्रतिभागियों को इन महत्वपूर्ण वैश्विक मुद्दों की गहराई को अपने कैमरे के माध्यम से उजागर करने के लिए प्रेरित किया। TYPA ने उभरते फोटोग्राफरों का आत्मविश्वास बढ़ाने और फोटो जर्नलिस्ट की कला को मंच देने के लिए इस प्रदर्शनी का आयोजन किया।

यह प्रदर्शनी कैमरे की नजर से शक्तिशाली कहानी कहने का एक मंच बन गई। गैलरी में सुंदर और प्रभावशाली तस्वीरों की भरमार थी, जिसमें पर्यावरण संरक्षण और सकारात्मक पालन-पोषण और विभिन्न प्रकार कि चित्र जो भावनाओं के कई पहलुओं को बयां कर रहे थे।

प्रतियोगिता के अलावा, TYPA ने फोटोग्राफी कार्यशाला का भी आयोजन किया, जिससे प्रतिभागियों के कौशल में वृद्धि हुई और उनके दृष्टिकोण का विस्तार हुआ। TYPA और यूनिसेफ के बीच यह सहयोग अत्यंत सफल रहा और सभी प्रतिभागियों पर एक छाप छोड़ गया। UNICEF ने पुरस्कार विजेताओं को सम्मानित किया, जिससे इस आयोजन का रोमांच और बढ़ गया।

यह आयोजन न केवल फोटोग्राफी की कला का उत्सव था, बल्कि यह भी दिखाया गया कि किस प्रकार दृश्य कहानी कहने की शक्ति का उपयोग करके महत्वपूर्ण मुद्दों पर जागरूकता बढ़ाई जा सकती है और बदलाव लाया जा सकता है।

स्टूडियो न्यूज

फोटोग्राफर साथियो, आप अपने जिले में होने वाली फोटोग्राफी वर्कशॉप, संगोष्ठी या फोटोग्राफी से सम्बन्धित अन्य किसी कार्यक्रम का विवरण एवं फोटो "स्टूडियो न्यूज" में छपवाने के लिये, mailtostudionews@gmail.com पर मेल करें।

महान विभूतियाँ

इरविंग पेन

(16 जून 1917 - 07 अक्टूबर 2009)

इरविंग पेन

इरविंग पेन एक अमेरिकी फ़ोटोग्राफ़र थे, जो अपनी फैशन फ़ोटोग्राफ़ी, पोर्ट्रेट्स और स्टिल लाइफ़ के लिए जाने जाते थे। पेन के करियर में 'वोग' पत्रिका में काम करना और ग्राहकों के लिए स्वतंत्र विज्ञापन कार्य शामिल था।

इरविंग पेन बीसवीं सदी के महान फोटोग्राफरों में से एक थे, जो अपने आकर्षक चित्रों और उत्कृष्ट प्रिंटमेकिंग के लिए जाने जाते थे। यद्यपि उन्हें छह दशकों से अधिक समय तक 'वोग' पत्रिका के शीर्ष फोटोग्राफरों में से एक के रूप में माना गया, पेन एक अत्यंत निजी व्यक्ति थे जिन्होंने सुर्खियों से परहेज किया और अपने काम को शांत और अथक समर्पण के साथ किया। ऐसे समय में जब फोटोग्राफी को मुख्य रूप से संचार के माध्यम के रूप में समझा जाता था, उन्होंने इसे एक कलाकार की नज़र से देखा और अपने पेशेवर और व्यक्तिगत दोनों कार्यों में माध्यम की रचनात्मक क्षमता का विस्तार किया।

पेन का जन्म 16 जून 1917 को अमेरिका के न्यू जर्सी के प्लेनफ़ील्ड में अप्रवासी माता-पिता के घर हुआ था। पेन ने 1934 से 1938 तक फिलाडेल्फिया म्यूज़ियम स्कूल ऑफ़ इंडस्ट्रियल आर्ट्स में पढ़ाई की और अलेक्सी ब्रोडोविच के डिजाइन प्रयोगशाला में अध्ययन किया। एक प्रभावशाली रूसी प्रवासी, जिन्होंने 1920 के दशक में पेरिस में काम किया था, ब्रोडोविच ने पत्रिकाओं, प्रदर्शनियों, वास्तुकला और फोटोग्राफी के माध्यम से आधुनिक कला और डिजाइन के सिद्धांतों के अनुप्रयोग को सिखाया।

न्यूयॉर्क में कुछ समय तक हार्पर बाज़ार में ब्रॉडोविच के सहायक और विभिन्न कला निर्देशक नौकरियों के रूप में काम करने के बाद, पेन 1941 में पेंटिंग करने के लिए मैक्सिको गए, जहाँ उन्होंने अमेरिका के दक्षिणी भाग की यात्रा की और रास्ते में तस्वीरें लीं। अंततः वे अपनी पेंटिंग्स से निराश हो गए और अगले वर्ष के अंत में न्यूयॉर्क लौटने से पहले उन्हें नष्ट कर दिया। 1943 में, 'वोग' के नए कला निर्देशक, अलेक्जेंडर लिबरमैन ने पत्रिका के फ़ोटोग्राफ़रों को कवर के लिए लेआउट तैयार करने और विचार सुझाने के लिए पेन को अपने सहयोगी के रूप में नियुक्त किया। पेरिस में काम करने वाले एक अन्य रूसी प्रवासी लिबरमैन ने पेन की हाल की यात्राओं से उनके संपर्क पत्रक देखे और यह जाना और पहचाना कि "पेन की नजर क्या देखना चाहती थी और क्या दिखाना चाहती थी।" उन्होंने पेन को अपनी कल्पना के अनुसार तस्वीरें लेने के लिए प्रोत्साहित किया, जिससे एक लंबा और फलदायी करियर शुरू हुआ और साथ ही एक ऐसा सहयोग भी हुआ जिसने आधुनिक फ़ोटोग्राफ़ी को बदल दिया।

दूसरे विश्व युद्ध के बाद, जैसे ही पेन ने अपनी प्रभावशाली शैली के कारण स्थिर जीवन और पोर्ट्रेट फोटोग्राफी में ख्याति प्राप्त की, लिबरमैन ने उन्हें दुनिया भर में पोर्ट्रेट और फैशन असाइनमेंट के लिए भेजा। ये उनके लिए बेहद महत्वपूर्ण अनुभव थे, जिन्होंने पेन की स्टूडियो में फोटोग्राफी करने की पसंद को और मजबूत किया, जहां वे अपने कंपोजीशन में अनावश्यक चीजों को हटा सकते थे और अपने विषय पर ध्यान केंद्रित कर सकते थे। इन असाइनमेंट से अलग, पेन ने एक प्रमुख व्यक्तिगत प्रोजेक्ट पर काम किया, जिसमें उन्होंने स्टूडियो में करीब से fleshy nudes चित्रों की फोटोग्राफी की और उनकी प्रिंटिंग में प्रयोग किए ताकि "छवि की चमक को तोड़ा जा सके।" यह फोटोग्राफी के लिए एक नया दृष्टिकोण था, जो पहले के कला ऐतिहासिक मॉडलों पर गहन चिंतन से उत्पन्न हुआ था, लेकिन इन छवियों को बहुत उत्तेजक माना गया और दशकों तक प्रदर्शित नहीं किया गया।

1950 में, पेन को वोग के लिए हाउते कॉउचर संग्रह की तस्वीरें लेने के लिए पेरिस भेजा गया था। उन्होंने एक पुराने थिएटर के पर्दे की पृष्ठभूमि के साथ एक डेलाइट स्टूडियो में काम किया, और लिसा फोंसग्रिव्स नामक एक असाधारण मॉडल के साथ काम किया, जिनसे उनकी पहली मुलाकात 1947 में हुई थी। स्वीडन में जन्मी और एक नर्तकी के रूप में प्रशिक्षित, वह उस समय की सबसे अधिक मांग वाली फैशन मॉडलों में से एक थीं, जिन्हें रूप और मुद्रा की परिष्कृत समझ थी। पेन ने बाद में याद किया: "जब लिसा अंदर आई, तो मैंने उसे देखा और मेरा दिल तेजी से धड़कने लगा और कभी कोई संदेह नहीं हुआ कि यह वही है।" सितंबर 1950 में उनकी शादी लंदन में हुई। इस

STUDIO NEWS
लखनऊ, शुक्रवार, 6 सितम्बर 2024 से 5 अक्टूबर 2024

एक छवि का चित्रण सिर्फ कैमरा एक ओर ही नहीं अपितु दोनों ओर से होता है। - एडवर्ड स्टीकेन

दौरान, पेन ने पुराने प्रिंट की परंपरा से प्रेरित एक प्रोजेक्ट पर भी काम किया, जिसमें "छोटे व्यापार" - कसाई, बेकर, कामगार और सनकी लोगों की तस्वीरें खींची गईं, जो एक लुप्त होती दुनिया से ताल्लुक रखते थे।

1964 और 1971 के बीच वोग के लिए पेन की यात्राएँ बढ़ गईं, जो उन्हें जापान, क्रेते, स्पेन, दाहोमी , नेपाल, कैमरून, न्यू गिनी और मोरक्को ले गईं। इन यात्राओं पर पेन को अपनी रूचि के अनुसार ध्यान केंद्रित करने की अधिक स्वतंत्रता मिली: प्राकृतिक प्रकाश में लोगों के चित्र बनाना। शुरूआती यात्राओं में, उन्होंने गैरेज या खलिहान जैसी मौजूदा जगहों को अपनी ज़रूरतों के हिसाब से ढाला और सम्मानपूर्ण आदान-प्रदान को प्रोत्साहित करने के लिए तटस्थ वातावरण की महत्वपूर्ण भूमिका पर ध्यान दिया, जिसमें उनकी रूचि थी। आखिरकार इसने उन्हें एक टेंट स्टूडियो बनाने के लिए प्रेरित किया जिसे अलग किया जा सकता था और एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाया जा सकता था।

1950 के दशक की शुरूआत में, वोग के साथ उनके काम कम हो गए और उन्होंने विज्ञापन की ओर रूख किया। पेन ने इस नए क्षेत्र में मिलने वाली चुनौतियों का स्वागत किया, खासकर स्टिल लाइफ फोटोग्राफी के क्षेत्र में, और गतिशील तस्वीरें बनाने के लिए स्ट्रोब लाइट्स के साथ प्रयोग किया, जिसने विज्ञापन में फोटोग्राफी के उपयोग में क्रांति ला दी।

बहुत सारे अध्ययन और प्रयोग करने के बाद, उन्होंने उन्नीसवीं सदी के तरीकों की जांच की जो एक प्रिंट में उन सूक्ष्म बदलावों और रंगों को अधिक नियंत्रण प्रदान कर सकते थे जिन्हें वह चाहते थे। उन्होंने अपने शोध के साथ तब तक काम किया जब तक उन्होंने प्लैटिनम और पैलेडियम धातुओं में प्रिंटिंग के लिए एक जटिल प्रक्रिया को पूरा नहीं कर लिया, हाथ से संवेदनशील कलाकार के कागज़ पर संपर्क प्रिंटिंग के लिए नेगेटिव्स को बड़ा किया, जिसे एक एल्युमिनियम शीट से चिपका दिया गया था ताकि यह कई कोटिंग्स और प्रिंटिंग का सामना कर सके।

1970 के दशक की शुरूआत में, पेन ने अपना मैनहट्टन स्टूडियो बंद कर दिया और लॉन्ग आइलैंड, न्यूयार्क पर स्थित पारिवारिक खेत पर बनाई गई प्रयोगशाला में प्लैटिनम प्रिंटिंग में खुद को तल्लीन कर लिया। 1983 में, पेन ने शहर में एक स्टूडियो फिर से खोला और व्यावसायिक काम और पत्रिकाओं के असाइनमेंट का एक व्यस्त कार्यक्रम फिर से शुरू किया। अगले वर्ष, उन्हें द म्यूज़ियम ऑफ़ मॉडर्न आर्ट में जॉन स्ज़ार्कोव्स्की द्वारा क्यूरेट की गई एक रेट्रोस्पेक्टिव से सम्मानित किया गया, जो 1989 तक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर घूमता रहा। उन्हें हस्सेलब्लैड पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया।

खासतौर पर 1992 में लिसा की मृत्यु के बाद, उन्होंने अपने काम और स्टूडियो के अनुशासित कार्यक्रम में सुकून ढूंढा, और वे काम के बाद और सप्ताहांतों में ज्यादातर रातों को पेंटिंग करते थे। 2009 में, पेन का 92 वर्ष की आयु में न्यूयॉर्क में निधन हो गया। अपने जीवनकाल के दौरान, उन्होंने 'द इरविंग पेन फ़ाउंडेशन' की स्थापना की, जो स्टूडियो से बाहर विकसित हुआ और जिसकी पेन की विरासत के प्रति समर्पण उनकी उल्लेखनीय आत्मा के संपर्क से उत्पन्न हुआ है।

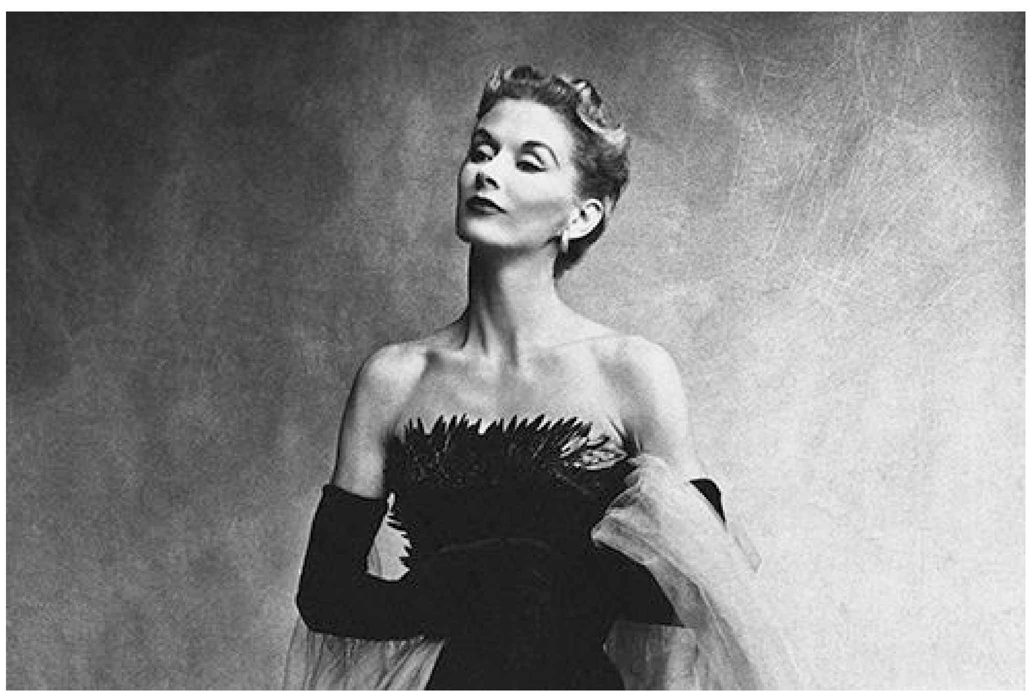

अनिल रिसाल सिंह
MFIAP (France), ARPS (Great Britain), Hon.FIP (India), Hon.LCC (India), FFIP (India), AIIPC (India), Hon.FSoF (India), Hon.FPAC (India), Hon.TPAS (India), Hon.FSAP (India), Hon.FICS (USA), Hon.PSGSPC (Cyprus), Hon.FPSNJ (America), Hon. Master-TPAS (India), Hon. Master-SAP (India), Hon.FWPAI (India), Hon.FGGC (India), Hon.GA-PSGSPC (Cyprus)
पूर्व अध्यक्ष, फेडरेशन ऑफ इण्डियन फोटोग्राफी

फोटोग्राफी डे पर 'व्हिस्पर्स ऑफ लाइट' प्रदर्शनी

वर्ल्ड फोटोग्राफी डे के अवसर पर लखनऊ की कला स्रोत आर्ट गैलरी में कॉलेज ऑफ आर्ट फोटोग्राफिक सोसाइटी (CAPS) द्वारा तीन दिवसीय फोटोग्राफी प्रदर्शनी का आयोजन 19 अगस्त से 21 अगस्त 2024 के बीच किया गया। इस प्रदर्शनी का नाम "व्हिस्पर्स ऑफ़ लाइट" रखा गया। प्रदर्शनी का उद्घाटन प्रसार भारती के अध्यक्ष नवनीत सहगल व विशिष्ट अतिथि उत्तर प्रदेश प्राविधिक विश्वविद्यालय की वास्तुकला संकाय की डीन/प्रिंसिपल प्रो. वंदना सहगल ने किया।

प्रदर्शनी के संयोजक अतुल हुंडू ने बताया कि इस आयोजन में कला एवं शिल्प महाविद्यालय के फोटोग्राफी विभाग से जुड़े पूर्व व वर्तमान छात्रों की 125 तस्वीरों को प्रदर्शित किया गया है। प्रतिभागियों ने इस प्रदर्शनी के प्रति अपना उत्साह जताया। प्रदर्शित कई फोटो महाविद्यालय से 30 वर्ष पूर्व शिक्षा प्राप्त कर चुके छात्रों के भी थे जो वर्तमान में कई उच्च पदों पर कार्य कर रहे है। प्रदर्शनी का उद्देश्य डॉक्यूमेंट्री फोटोग्राफी से अलग, फाइन आर्ट फोटोग्राफी विधा की तस्वीरों को प्रदर्शित करना था। यह आयोजन बेहद सफल रहा। इस प्रदर्शनी में शामिल कुछ अद्वितीय तस्वीरें ......

AKRATI DUBEY

SHOBHIT SONKER

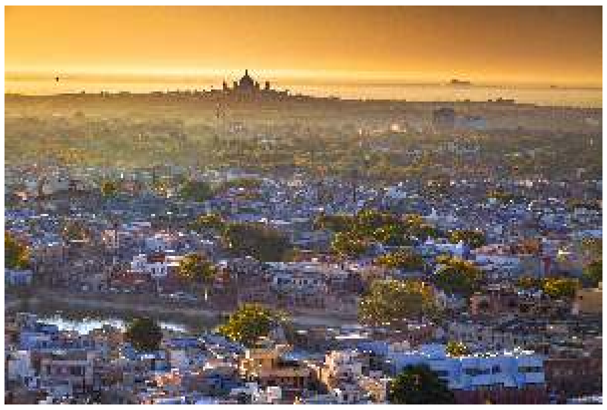
RAJA SENGUPTA

ANURAG KUMAR

SUJIT KUMAR

ADARSH PAL

MANEESH AGNIHOTRI

ATUL HUNDOO

ATANU DEY

PRAVEEN UPADHYAY

SACHIN VERMA

ANIL KUSHWAHA

GANESH S MISHRA

SMITA SRIVASTAVA

NISHAT FATIMA

STUDIO NEWS
लखनऊ, शुक्रवार, 6 सितम्बर 2024 से 5 अक्टूबर 2024

भले ही तस्वीरें आपको अतीत की तस्वीर बताती हो लेकिन यही तस्वीरें भविष्य के लिए आपके दरवाजे खोलती हैं। - शैली मान

फूड फोटोग्राफी और कम्पोजीशन

स्मिता श्रीवास्तव
फूड स्टाइलिस्ट एडं फोटोग्राफर

अच्छी तस्वीरे खींचने के लिए जहाँ कैमरा और उसकी सेटिंग्स को भलीभांति समझना आवश्यक है, वहीं उसमें उपस्थित सभी वस्तुओं का आपस मे परस्पर तालमेल बना कर फोटो खींचना उससे भी कहीं ज़्यादा जरूरी है। एक सामान्य सी तस्वीर को अद्भुत कलाकृति की श्रेणी मे लाने के लिए कम्पोजीशन का बहुत महत्त्वपूर्ण योगदान होता है। फोटोग्राफी विशुद्ध नियमो से परे है, जिन्हे हम अक्सर फोटोग्राफी के नियम कहते हैं, वह असल मे कुछ स्टैण्डर्ड टेक्निक्स या गाइड लाइन्स है जो कि अच्छी तस्वीरें खींचने मे मदद करती हैं। कई बार इन स्टैण्डर्ड टेक्निक्स का पालन न करते हुए भी खूबसूरत तस्वीरे खींची जा सकती हैं, पर उस **'ब्रेकिंग द रूल्स'** के स्तर तक पहुँचने के लिए हमें इन कम्पोजीशन की गाइडलाइन्स, जिन्हे फोटोग्राफी की भाषा मे रूल्स ऑफ़ कम्पोजीशन कहते हैं को समझना अत्यंत आवश्यक है।

कम्पोजीशन की तकनीक को समझने से पहले हमे कम्पोजीशन का मूल अर्थ समझना होगा। कम्पोजीशन का अर्थ है संयोजन अर्थात चित्र मे उपस्थित सभी वस्तुओं का आपस मे ताल मेल बनाना ताकि संपूर्ण तस्वीर बैलेंस्ड लगे।

फूड फोटोग्राफी मे भी कम्पोजीशन बहुत अहम भूमिका निभाता है, समझदारी से कंपोज़ किया हुआ साधारण सा खाद्य पदार्थ प्रॉप्स के साथ जहाँ उस पदार्थ को हाईलाइट कर उसे हीरो फ़ूड (सबसे मुख्य सब्जेक्ट) की तरह दिखाता है वही आँखों का ध्यान उधर खींच कर हमारी स्वाद कलिकाओं को भी सक्रिय कर देता है। उदाहरण के तौर पर एक बर्गर के विज्ञापन मे जहाँ एक खूबसूरत सा बर्गर दिखता है, वहीं साथ मे उसके फ्रेंच फ्राइज, चिप्स, कोला, केचप इत्यादि भी दिखते हैं, परन्तु उस पिक्चर में हमारा ध्यान सिर्फ बर्गर पर ही क्यों जाता है? क्योकि बर्गर को हीरो फ़ूड बनाने के लिए कुछ ऐसे कंपोज़ किया जाता है कि हमारी आँखें उसी पर आकर ठहरे, पर यदि केचप, फ्रेंच फ्राइज या कोला का विज्ञापन है तब भी तस्वीर में ये सभी मौजूद रहेंगे बस दर्शाने वाली वस्तु के हिसाब से कम्पोजीशन मे फेर बदल कर दिया जायेगा। सब्जेक्ट के प्लेसमेंट के आलावा रंग, टेक्सचर और कभी-कभी लाइट भी कम्पोजीशन को बेहतर बनाने मे काफी सहयोग देती हैं। फ़ूड फोटोग्राफी या स्टिल लाइफ में वस्तुओं की जगह बदल कर कम्पोजीशन को नया आयाम दिया जा सकता है।

यह कहना गलत न होगा की कम्पोजीशन फ़ूड फोटोग्राफी की मेरूदंड है। डिजिटल युग में जहाँ फोटो के रंग, वाइट बैलेंस इत्यादि आसानी से फोटोशॉप या अन्य एडिटिंग टूल्स द्वारा संभाले जा सकते हैं वहीं पिक्चर खींचने के बाद उसके कम्पोजीशन को सुधारना काफी कठिन होता है। हाँ कभी-कभी थोड़ी बहुत क्रॉपिंग कर के पिक्चर को संभाला ज़रूर जा सकता है परन्तु उसकी भी गुंजाइश कई बार सीमित हो सकती है, इसलिए क्लिक करते समय कम्पोजीशन का ध्यान रखना सबसे सरल उपाय है। कम्पोजीशन के साथ-साथ फोकल लेंथ, अपर्चर, एंगल इत्यादि का सही चयन कर के फ़ूड को एक कहानी के रूप में बुना जा सकता है।

गोल्डन ट्रायंगल

गाइडिंग ट्राइंगल

'स्टार्ट विथ द आईडिया' - अर्थात फ़ूड फोटोग्राफी करते समय आप के सामने क्लियर आईडिया होना ज़रूरी है, पिक्चर का सब्जेक्ट क्या है और आप उसको कैसे या किस थीम के मुताबिक दिखाना चाहते हैं यह पहले से दिमाग में बिलकुल साफ़ होना चाहिए। यह आपका कार्य न सिर्फ आसान कर देगा, बल्कि समय का समुचित उपयोग करते हुए, फोटो के लिए खाद्य पदार्थ की ताज़गी को भी बनाये रखेगा।

बेसिक रूल्स ऑफ़ कम्पोजीशन -

रूल ऑफ़ थर्ड - इस नियम के अंतर्गत यदि किसी चित्र को 2 बेड़ी एवं 2 खड़ी रेखाओं की मदद से विभाजित किया जाये, तो तस्वीर के मुख्य तत्त्व (प्राइम एलिमेंट्स) किसी रेखा या किसी कटान बिंदु पर होने चाहिए। इस स्थान पर सब्जेक्ट को रखने से, देखने वाले की नज़र उस पर अधिक देर तक ठहरती हैं। कैमरे में इसके लिए एक सहायक ग्रिड का ऑप्शन होता है जो कि लाइव व्यू मे फ्रेम करते समय बहुत सहायता करता है।

गोल्डन ट्रायंगल - यह चित्र मे गतिशीलता लाता है और देखने वाले की नज़रों को संपूर्ण फ्रेम में घूमने का अवसर देता है। इसके अंतर्गत पिक्चर को डायगनल रेखाओं द्वारा डिवाइड करके उस पर ऑब्जेक्ट्स प्लेस किये जातें हैं।

गाइडिंग ट्राइंगल के अनुसार चित्र मे त्रिभुज या त्रिकोण के आधार पर वस्तुए रखी जाती हैं। यह नियम चित्र में संतुलन का आभास कराता है।

लीडिंग लाइन्स - जब बेड़ी, खड़ी या तिरछी काल्पनिक रेखाए मार्गदर्शक बन के दर्शक की नज़रो को मुख्य विषय तक ले जाये तब वह लीडिंग लाइन्स कहलाती हैं। फ़ूड फोटोग्राफ्स मे अक्सर छुरी, काटें, चम्मच लीडिंग लाइन्स की भूमिका निभाते हैं। फ्रेम में काल्पनिक रेखाओं बना कर उसपे रखे हुए खाद्य पदार्थ न सिर्फ चित्र में बैलेंस प्रदान करते हैं बल्कि विभिन्न रेखाओं के द्वारा रचनात्मक लय भी प्रदान करते हैं।

रूल ऑफ़ कर्व्स (Curves) - लीडिंग लाइन्स की तरह चित्र मे घुमावदार कर्व्स या मुड़ती झुकती हुई रेखाएं दर्शक की आँखों को फ्रेम में घूमने का अवसर देती हैं और फ्रेम मे गतिशीलता लाती हैं। मूवमेंट या गति वाले शॉट्स जैसे की गिरते तरल पदार्थ या कर्व मे रखी हुए वस्तुए कम्पोजीशन मे चार चाँद लगा देती हैं।

रूल ऑफ़ ऑड्स - इसके अंतर्गत चित्र में एक से ज़्यादा समरूप वस्तुएं होने पर विषम संख्या (ओड नंबर) 3, 5 का प्रयोग करना चाहिए। साधारण सा प्रतीत होने वाले यह नियम चित्र मे सामंजस्य एवं संतुलन का आभास कराता है और कम्पोज़िशनल पैटर्न बनाने मे मदद करता है।

नेगेटिव स्पेस - चित्र मे सब्जेक्ट के इर्द गिर्द छोड़ी गयी खाली जगह को नेगेटिव या वाइट स्पेस कहते हैं। अक्सर अनुपात से ज़्यादा होने पर यह पिक्चर मे अत्यंत सराहनीय लगती है और सब्जेक्ट पर संपूर्ण ध्यान खींचती हैं।

इन कम्पोजीशन के दिशा निर्देशों को साथ साथ स्केल और प्रपोरशन यानी पैमाना और अनुपात, फोकल पॉइंट, कैमरा एंगल, ओरिएंटेशन इत्यादि पर थोड़ा ध्यान देकर साधारण सी दिखने वाली फ़ूड फोटोग्राफ्स को कही बेहतर बनाया जा सकता हैं।

रूल ऑफ़ थर्ड

रूल ऑफ़ कर्व्स

नेगेटिव स्पेस

iPhone फोटोग्राफी अवार्ड्स (IPPAWARDS) 2024

Apple ने iPhone फोटोग्राफी प्रतियोगिता के विजेताओं की घोषणा की। इस प्रतियोगिता के ग्रैंड प्राइज विनर अमेरिका के Erin Brooks रहे। फोटोग्राफर ऑफ द ईयर का प्रथम पुरस्कार अमेरिका के Glen Wilbert, द्वितीय पुरस्कार भी अमेरिकी फोटोग्राफर Mogli Maureal को तथा तृतीय पुरस्कार चीन के Wenlong Jiang को मिला।

इसके अतिरिक्त इस प्रतियोगिता में और भी अलग-अलग 14 श्रेणियां थीं और Apple को दुनिया भर से तस्वीरें मिलीं। हर श्रेणी में एक विजेता और कई सांत्वना पुरस्कार दिए जाते हैं। भारत के Manush Kalwari को पोर्ट्रेट श्रेणी में तीसरा पुरस्कार मिला।

अन्य विजयी प्रतिभागियों की सूची इस प्रकार है-

एब्स्ट्रैक्ट : Jose Manuel Garcia Gonzalez
एनीमल : Colin Hoskins
आर्किटेक्चर : Leping Cheng
चिल्ड्रेन : Daniel de Cerqueira
सिटीस्केप : Yanzhou Chen
लैंडस्केप : Paddy Chao
लाइफस्टाइल : Glen Wilbert
नेचर : Shinya Itahana
अदर : Jun Hu
पिपुल : Brooke Wilen
पोर्ट्रेट : Artem-Koleganov
सिरीज : Xingping Zhou
स्टिल लाइफ : Dai Fushun
ट्रैवल : Khalid Mahmood

इनके अतिरिक्त सभी श्रेणियों में द्वितीय और तृतीय पुरस्कार भी दिये गये।

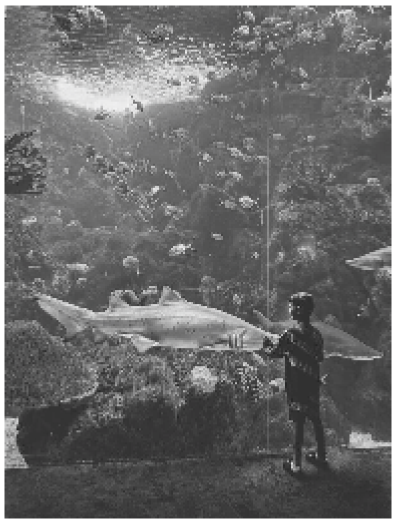
Erin Brooks - Grand Prize Winner

Glen Wilbert

Mogli Maureal

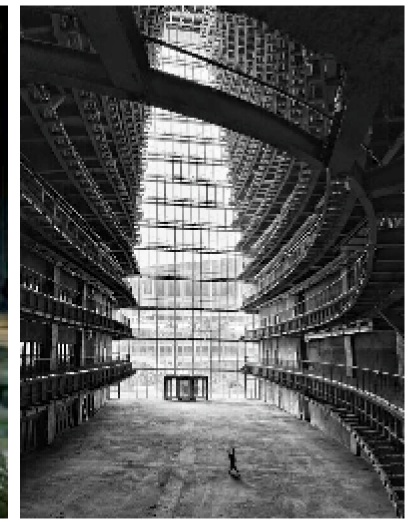
Wenlong Jiang

एब्स्ट्रैक्ट : Jose Manuel Garcia Gonzalez

लैंडस्केप : Paddy Chao

आर्किटेक्चर : Leping Cheng

सिटीस्केप : Yanzhou Chen

पोर्ट्रेट श्रेणी में तीसरा पुरस्कार - भारत के Manush Kalwari

चिल्ड्रेन : Daniel de Cerqueira

एनीमल : Colin Hoskins

नेचर : Shinya Itahana

लाइफस्टाइल : Glen Wilbert

अदर : Jun Hu

ट्रैवल : Khalid Mahmood

पोर्ट्रेट : Artem-Koleganov

पिपुल : Brooke Wilen

STUDIO NEWS
लखनऊ, शुक्रवार, 6 सितम्बर 2024 से 5 अक्टूबर 2024

एक चीज जो आप मेरे चित्रों में देखते हैं वह यह है कि मैं इन लोगों के साथ प्यार करने में नहीं डरता।- एनी लिबविट्ज

वेडिंग फोटोग्राफी : शादी की कहानी बताने की कला

वेडिंग फोटोग्राफी केवल जोड़े के खास दिन की तस्वीरें लेने से ज्यादा है - यह एक दृश्यात्मक कहानी बुनने के बारे में है जो उनके प्यार, भावनाओं, और खास पलों की कहानी बताती है। वेडिंग फोटोग्राफी में कहानी कहने की कला एक ऐसी कला है जो तकनीकी कौशल को रचनात्मकता और सहानुभूति के साथ मिलाकर फोटोग्राफरों को ऐसा दिलचस्प और भावनात्मक रूप से जुड़ाव रखने वाला एलबम बनाने की अनुमति देती है जिसे जोड़े जीवनभर संजोएंगे।

कहानी कहने की शक्ति को समझना

कहानी कहने का मूल उद्देश्य जुड़ाव होता है। यह अनुभवों को इस तरह से साझा करने की प्रक्रिया है जो दूसरों के दिल को छू जाए और कहानीकार और श्रोता के बीच एक रिश्ता बनाए। वेडिंग फोटोग्राफी में यह जुड़ाव बहुत महत्वपूर्ण होता है। इसका लक्ष्य ऐसी तस्वीरों की श्रृंखला बनाना होता है, जो न सिर्फ उस दिन की घटनाओं को दर्ज करें, बल्कि जोड़े की प्रेम कहानी, उनकी भावनाओं, और उनके अनुभव किए गए पलों के महत्व को भी बयां करें।

पारंपरिक फोटोग्राफी के विपरीत, जो केवल सौंदर्य या तकनीकी पूर्णता पर केंद्रित हो सकती है, वेडिंग फोटोग्राफी में कहानी कहने का मतलब है दिन की भावना को कैद करना। यह एक ऐसी कहानी बताने के बारे में है जो जोड़े के लिए असली, व्यक्तिगत और अत्यंत अर्थपूर्ण हो।

शादी के दिन की कहानी

हर अच्छी कहानी की तरह, शादी के दिन की भी एक स्वाभाविक कहानी होती है - एक शुरूआत, बीच का हिस्सा, और अंत। फोटोग्राफर का काम इसे ऐसे ढंग से कैद करना है कि हर पल एक-दूसरे से जुड़ा हुआ लगे, जिससे एक सजीव और दिलचस्प दृश्यात्मक कहानी बन सके।

- **शुरूआतः** दिन की शुरूआत अक्सर उत्सुकता और उत्साह से होती है। दुल्हन और दूल्हा अपने दोस्तों और परिवार के बीच तैयार हो रहे होते हैं। ये पल भावनाओं से भरे होते हैं - घबराहट, खुशी, प्यार - और ये पूरे दिन का माहौल बनाते हैं। इन तैयारियों को, अंतरंग पलों को, और जोड़े और उनके अपनों के बीच के अनौपचारिक पलों को कैप्चर करना कहानी की नींव बनाने में मदद करता है।
- **विवाह समारोहः** यह शादी के दिन का मुख्य हिस्सा होता है, जहाँ दूल्हा-दुल्हन एक-दूसरे से वचन लेते हैं और अपने रिश्ते की प्रतिबद्धता व्यक्त करते हैं। यह गहरा महत्व रखने वाला पल होता है, और भावनाएँ गहराई से जुड़ी होती हैं। एक कुशल वेडिंग फोटोग्राफर न केवल मुख्य पलों को - जैसे अंगूठियों का आदान-प्रदान, वरमाला आदि - को कैप्चर करता है, बल्कि मेहमानों की प्रतिक्रियाएँ, दूल्हा-दुल्हन के भाव और समारोह का माहौल भी कैद करता है। ये तस्वीरें कहानी का भावनात्मक केंद्र बनती हैं।
- **जश्नः** रिसेप्शन वह जगह है जहां पूरे दिन की खुशी को खुलकर व्यक्त किया जाता है। यह जश्न मनाने, हंसने और प्यार बांटने का समय होता है। फोटोग्राफर की भूमिका यहां इवेंट की ऊर्जा, मेहमानों के बीच की बातचीत, और वे छोटे-छोटे पल जो आमतौर पर अनदेखे रह जाते हैं, उन्हें कैद करना है। ये तस्वीरें कहानी को खुशी और उत्सव के साथ पूरा करती हैं।

भावनाओं को कैप्चर करना

भावना ही कहानी कहने की जान होती है। वेडिंग फोटोग्राफी में, यह सिर्फ घटनाओं के बारे में नहीं होता; यह इस बारे में होता है कि लोग उन घटनाओं को लेकर क्या महसूस कर रहे हैं। एक बेहतरीन वेडिंग फोटोग्राफर उन गुजरते भावनात्मक पलों को कैद करने की क्षमता रखता है जो उस दिन को खास बना देते हैं।

इन भावनाओं की वजह से कहानी और भी गहराई से जुड़ जाती है। ये भावनाएँ जोड़े को हर बार उनकी तस्वीरें देखने पर उनकी शादी के दिन को फिर से जीने का अहसास कराती हैं। इन पलों को कैद करने के लिए, फोटोग्राफर को सतर्क, धैर्यवान, और दिन के माहौल के साथ तालमेल में रहना जरूरी होता है।

विवरणों का महत्व

कहानी कहने में, विवरण ही हैं जो कहानी को जीवंत बनाते हैं। वेडिंग फोटोग्राफी में, ये विवरण छोटे लेकिन महत्वपूर्ण तत्व होते हैं जो कहानी को गहराई और संदर्भ देते हैं। अंगूठियां, फूल, सजावट, कपड़े, मंडप - ये वे चीजें हैं जो शादी को दंपति के लिए खास बनाती हैं, और इन्हें ध्यान से कैप्चर किया जाना चाहिए।

फोटोग्राफर्स को माहौल और सेटिंग पर भी ध्यान देना चाहिए। स्थल, मौसम, रोशनी - ये तत्व कहानी के मूड और माहौल में योगदान देते हैं। इन विवरणों को कैप्चर करके, फोटोग्राफर कहानी में नई परतें जोड़ते हैं, जिससे दर्शक के लिए एक समृद्ध और अधिक आकर्षक अनुभव बनता है।

कैंडिड और पोज्ड शॉट्स को संतुलित करना

एक शादी की कहानी कैंडिड और पोज़ दोनों प्रकार की तस्वीरों के माध्यम से कही जाती है। पोज़ की गई तस्वीरें, जैसे दंपति और उनके परिवारों के औपचारिक (फार्मल) पोर्ट्रेट्स, खूबसूरत और अमूल्य तस्वीरें देती हैं जिन्हें दंपति संजोएंगे। लेकिन अक्सर कैंडिड तस्वीरें ही दिन की असली आत्मा को पकड़ती हैं। ये वो पल होते हैं जब लोग बिना किसी सतर्कता के अपने असली भावनाओं और आपसी इंटरैक्शन को दिखाते हैं।

कैंडिड फोटोग्राफी के लिए पोज़ की गई फोटोग्राफी से अलग कौशल की जरूरत होती है। फोटोग्राफर को बिना ध्यान खींचे, लेकिन हमेशा सही पल को कैप्चर करने के लिए तैयार रहना होता है। यह सही जगह पर सही समय पर होने के बारे में है, और अच्छी कंपोजीशन के साथ कैमरे के सामने हो रहे भावनात्मक पल को समझने की संवेदनशीलता की भी जरूरत होती है।

एक सुसंगत दृश्य कथा बनाना

शादी का दिन खत्म होने के बाद भी फोटोग्राफर का काम खत्म नहीं होता। अगला कदम है तस्वीरों को एक साथ जोड़कर एक सुंदर कहानी तैयार करना, जो उस खास दिन की पूरी दास्तान बयां करती है। इसमें सबसे बेहतरीन तस्वीरों का चयन करना, उन्हें एक जैसी शैली और टोन के हिसाब से एडिट करना, और उन्हें इस तरह से सजाना शामिल है कि एक पल से दूसरे पल तक सब कुछ स्वाभाविक रूप से जुड़ा हुआ लगे।

इस प्रक्रिया के केंद्र में एक प्रिंटेड वेडिंग एल्बम का निर्माण होता है। दंपति को एक खूबसूरती से बना एल्बम देना सिर्फ तस्वीरें पेश करने का तरीका नहीं है; यह उनकी यादों को एक मूर्त और सदाबहार रूप में संजोने का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। एक प्रिंटेड एल्बम दंपति को उनकी शादी के दिन को बार-बार जीने का मौका देता है, जो एक भावनात्मक अनुभव प्रदान करता है जिसे केवल डिजिटल फाइल्स से महसूस नहीं किया जा सकता। हाथ में एल्बम पकड़कर, उसके पन्ने पलटते हुए और अपने खास दिन की कहानी को प्रिंट में देखना एक बहुत व्यक्तिगत और स्थायी जुड़ाव बनाता है।

साथ ही, दंपति के लिए छोटे या मिनी वर्जन एल्बम ऑफर करना, जिन्हें वे अपने प्रियजनों के बीच बांट सकें, एक बहुत ही विचारशील कदम है जो शादी के दिन की खुशी को परिवार और दोस्तों तक पहुंचाता है। ये छोटे एल्बम एक अनमोल यादगार बन जाते हैं, जिससे दंपति अपनी कहानी को और भी निजी और खास तरीके से साझा कर सकते हैं।

फोटोग्राफर के लिए, प्रिंटेड एल्बम ऑफर करना उनकी सर्विस में बहुत बड़ा मूल्य जोड़ता है। यह उनके काम को सिर्फ इमेज कैप्चर करने से ऊपर उठाकर एक कहानी सुनाने की कला बना देता है, जो भावनाओं और अर्थ से जुड़ी होती है। एक अच्छी तरह से बनाया गया एल्बम उनके पोर्टफोलियो का एक मजबूत हिस्सा बनता है, जो संभावित ग्राहकों को उनके कौशल और स्टाइल को दिखाता है।

इंडस्ट्री के नजरिए से, प्रिंटेड वेडिंग एल्बम्स के उत्पादन और वितरण को प्रोत्साहित करना एक डिजिटल दुनिया में वास्तविक उत्पादों के महत्व को मजबूती देता है। यह प्रिंटिंग के शिल्प को समर्थन देता है, उन व्यवसायों को बनाए रखता है जो उच्च गुणवत्ता वाले एल्बम उत्पादन में विशेषज्ञ हैं, और फोटोग्राफर्स और ग्राहकों को छपी हुई यादों के स्थायी मूल्य के बारे में शिक्षित करता है। आज के समय में जब डिजिटल इमेजेज अक्सर क्लाउड स्टोरेज में खो जाती हैं या रोजमर्रा की जिंदगी की भागदौड़ में भुला दी जाती हैं, प्रिंटेड एल्बम्स स्थायी धरोहर के रूप में खड़ी रहती हैं, जिन्हें आने वाली पीढ़ियां संजोती हैं।

प्रिंटेड वेडिंग एल्बम के महत्व पर जोर देकर, फोटोग्राफर न केवल ग्राहकों को दिए जाने वाले मूल्य को बढ़ाते हैं, बल्कि समग्र रूप से फोटोग्राफी उद्योग की स्थिरता और विकास में भी योगदान देते हैं।

निष्कर्ष

वेडिंग फोटोग्राफी में कहानी कहने की कला सिर्फ़ तस्वीरें लेने से कहीं ज़्यादा है - यह एक जोड़े की प्रेम कहानी के सार को कैप्चर करने और उसे विश्वसनीय, भावनात्मक और अनन्त समय तक तरीके से संरक्षित करने के बारे में है। कहानी कहने की शक्ति को समझकर और कथा, भावनाओं, विवरणों और कैंडिड और पोज़्ड शॉट्स के बीच संतुलन पर ध्यान केंद्रित करके, फ़ोटोग्राफ़र शादी के एल्बम बना सकते हैं जो सिर्फ़ तस्वीरों का संग्रह नहीं हैं, बल्कि ऐसी कहानियाँ हैं जिन्हें पीढ़ियों तक संजोया जाएगा।

अंत में, शादी की फोटोग्राफी सिर्फ इस बारे में नहीं है कि आप क्या देखते हैं; यह इस बारे में है कि आप क्या महसूस करते हैं। और यही कहानी कहने की सच्ची कला है।

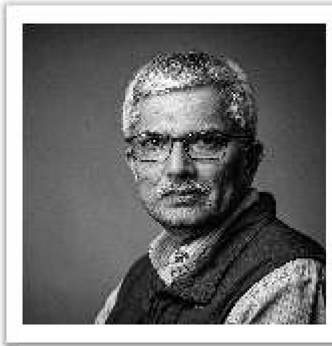

विमल परमार
Independent Marketing Consultant
Digital Print Evangelist
@vimalparmar

जिलों में आयोजित कार्यक्रम

मऊ में मऊ फोटोग्राफर्स एसोसिएशन द्वारा 15 अगस्त 2024 के पावन अवसर पर ध्वजारोहण का कार्यक्रम एसोसिएशन के पदाधिकारियों एवं सदस्यों के साथ धूमधाम से आयोजित किया।

जनपद बिजनौर में 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। जिसमें जनपद के फोटोग्राफर्स ने नगर के मुख्य मार्गों से यात्रा निकालते हुए आजादी का पर्व मनाया।

वाराणसी जनपद में न्यू बनारस कैमरा सोसाइटी द्वारा सावन माह में जनपद के विभिन्न जगहों पर वृक्षारोपण का कार्यक्रम किया गया तथा 1100 पौधों का लगाने का संकल्प पूरा किया।

NIKITA DISTRIBUTORS

Head Office: FL-1B, Plot No. 410/2, Green Terrace, Near Vidyut Nagar, Lane No. 5, South Koregaon Park, Pune - 411001, MH, India
Tel: + 91 20 66050600, Toll Free Number: 18002668571, E-mail: raman.jpa@gmail.com, Web: www.nikitadistributors.com

Branch Offices: Ahmedabad - 7600315392, 8238411811, Bangalore - 9686884944, Chennai - 8056216181, Delhi - 9268759295, Lucknow - 8090429901
Hyderabad - 7727045727, 8885867860, Kerala - 73560 53265, 9562912929, Kolkata - 9730134765, Mumbai - 9657255223, Punjab - 9717923994

Finance Available:
BAJAJ FINSERV EMI FINANCE
No Cost EMI | No Processing Fees
Pine Labs

STUDIO NEWS
लखनऊ, शुक्रवार, 6 सितम्बर 2024 से 5 अक्टूबर 2024

हम तस्वीरों के जरिए यह समझने की कोशिश करते हैं कि हमारे लिए जिंदगी के क्या मायने हैं। -राल्फ हेटर्सले

कपल फोटोग्राफी भी है खास

कपल फोटोग्राफी करते समय हमें किन-किन बातों का ध्यान रखना चाहिए जिससे सुन्दर और अच्छी तस्वीरें बनें

विकास बाबू
मेंटर फूजीफिल्म

ग्रूम या ब्राइड फोटोग्राफी तब तक सफल नहीं होती जब तक आप उन्हें एक साथ मुस्कुराते हुए कैमरे में न कैद कर लें। भले ही दोनों अपनी-अपनी वेडिंग ड्रेस में खूबसूरत नजर आ रहे हों लेकिन एक दूसरे के साथ कैमरे के आने के बाद ही मुकम्मल नजर आते हैं। ऐसे में यह समझना जरूरी है कि कपल फोटोग्राफी भी ब्राइड और ग्रूम फोटोग्राफी की तरह ही महत्वपूर्ण होती है क्योंकि शादी का कोई भी एलबम कपल्स के पोज के बिना पूरा नहीं होता है। इस बार हम आपको कपल फोटोग्राफी के बारे में बताएंगे कि किस लोकेशन से लेकर सेटिंग की मदद से कपल फोटोग्राफी को खूबसूरत बना सकते हैं।

तस्वीर जो चेहरे पर छोड़ जाए मुस्कान

कपल फोटोग्राफी वह मौका है जब मेहमानों की भीड़ छंटने लगती है। बैंड बाजे का शोर कम होने लगता है और सबके चेहरे से टेंशन गायब होने लगती है। ऐसे में जैसे ही शादी की रस्में पूरी हाने से पहले ही आप प्लान कर लें कि किस लोकेशन पर उन दोनों को शूट करेंगे क्योंकि रस्में पूरी होने के बाद भी शूट करने का सीमित समय ही मिल पाता है। शूट करने के लिए आपने जो लोकेशन चुनी है, वहाँ पर किन-किन चीजों की आवश्यकता होगी इसका पहले से ही चुनाव कर लें। शादी भले ही कितनी भी टेंशन भरी रही हो लेकिन तस्वीरों और कपल के चेहरे से यह नहीं झलकना चाहिए। ऐसे में पहले ही दोनों से बात कर उन्हें कंफर्टेबल करने की जरूरत है ताकि तस्वीरें न सिर्फ खूबसूरत आएं बल्कि भविष्य में जब भी वे उन तस्वीरों को देखें तो चेहरे पर हल्की सी मुस्कान आ जाए।

कपल फोटोग्राफी शुरू करने से पहले इस बातों का रखें ख्याल -

टेंशनफ्री ओर रिलैक्स नजर आएं :

मेकअप : भले ही दूल्हा और दुल्हन को शूट करते वक्त आपने मेकअप का ख्याल रखा हो लेकिन कपल फोटोग्राफी करते वक्त् एक बार फिर से उनका फाइनल मेकअप चेक कर लें ताकि दोनों पहले जैसे ही खूबसूरत नजर आए। अगर मेकअप में कमी रह जाती है तो सोलो और कपल फोटोज में वह अलग से ही नजर आता है।

पोज के बारे में पहले सोच लें : शादी करने वाला हर कपल मॉडल नहीं हो सकता है। ऐसे में हर किसी से अलग-अलग पोज की उम्मीद नहीं की जा सकती है। इसके बावजूद आप अच्छे पोज की लिस्ट बना लें साथ ही वैसी फोटो अपने मोबाइल पर सेव कर लें ताकि वक्त पड़ने पर आप उन्हें दिखा सकें। इससे आपका वक्त भी बच जाएगा और कपल के लिए पोज करना भी आसान हो जाएगा। यह छोटी सी तैयारी आपकी कपल फोटोग्राफी को बेहद शानदार बना देगी।

प्रॉप्स और फोटोग्राफी की तैयारी : जब आप अलग-अलग पोज की लिस्ट बना रहे है तो किस पोज को किस जगह शूट करना है उसका भी फैसला कर लें। साथ ही वहां किस तरह की लाइट की जरूरत होगी इसका चुनाव भी पहले ही कर लें।

लोगों का सहयोग : शादी खत्म होने के बाद भी कई गेस्ट होंगे जो दूल्हा-दुल्हन को घेरे होंगे यह चीज आपके काम को थोड़ा मुश्किल बना सकती है। ऐसे में आप लोगों से सहयोग मांग सकते हैं या फिर शूट के दौरान उन्हें फ्रेम में उचित जगह खड़ाकर तस्वीरों को और भी खूबसूरत बना सकते हैं।

इन पोज से आप खास बना सकते हैं कपल शूट

रॉयल पोज :

राजसी ठाठ बाठ भला किसे नहीं पसंद। राजाओं वाला लुक तो अक्सर तस्वीरों में ही नजर आता है। ऐसे में आप कपल को इस तरह के पोज से स्पेशल फील करवा ही सकते हैं क्योंकि क्लासिक लुक हमेशा और शान को बढ़ाना वाला लगता है। दुल्हन के पीछे खड़े दूल्हे के साथ पुरानी क्लासिकल तस्वीरें इसे और आकर्षक बना देती हैं।

फनी पोज :

इसके तहत आप दूल्हे के बेस्ट फ्रेंड को लाकर कबाब में हड्डी जैसी तस्वीरें खींचकर सबके चेहरे पर मुस्कान ला सकते हैं। वहीं अगर दुल्हे को फोन पर बाते करते हुए तो दुल्हन को इस बात से परेशान होते हुए दिखाया जा सकता है।

ब्लैक एंड व्हाइट :

जरूरी नहीं कि हर कहानी कहने के लिए रंगों की ही जरूरत पड़े। कई बार रंगहीन तस्वीरें भी जीवन के सभी रंगों को समझा जाती हैं। ऐसे ही लम्हों और इमोशंस को समझाने के लिए आप ब्लैक एंड व्हाइट तस्वीरों को इस्तेमाल कर सकते हैं।

चल मेरे साथी :

हाल ही में विराट और अनुष्का की साथ में चलते हुए इटली वाली फोटो को खूब पसंद किया गया जिसमें दोनों बात करते हुए आगे बढ़ रहे हैं। ऐसे में आप भी डेस्टिनेशन वेडिंग शूट कर रहे हैं तो इस तरह के पोज का इस्तेमाल कर सकते हैं जिसमें दूल्हा-दुल्हन एक दूसरे का हाथ पकड़े हुए आगे बढ़ रहे हैं।

रोमांटिक पोज :

कोई भी शादी बिना रोमांस के अधूरी है। ऐसे में जरूरी है कि आप कपल्स का एक रोमांटिक पोज जरूर शूट करें। रोमांटिक पोज का नाम आते ही हजारों बॉलिवुड फिल्मों के गाने याद आने लगते हैं, जिसमें हीरो हिरोइन एक दूसरे की आंखों में झांकते हैं। इस तरह के पोज से आप एलबम को और खूबसूरत बना देते हैं।

कपल स्वैग :

स्वैग जब आजकल चलन में है तो भला उसे कैसे भूल सकते हैं। आइसक्रीम खाते हुए, कभी लिफ्ट मांगते हुए या फिर किसी तरह से ऑटो या रिक्शा के पैसे देते हुए जैसे पोज भी शादी की एलबम में तड़का लगाने का काम करते हैं। इस दौरान आप अलग-अलग तरह के प्राप्स, सेल्फी बॉक्स व अन्य चीजों का इस्तेमाल कर सकते हैं।

स्टेटस अपडेट पोज :

गोद में उठाते या फिर बाहों में भरते हुए और पूरी दुनिया को यह बताते हुए आज से हम दोनों हमेशा के लिए एक दूसरे को हो गए जैसे पोज एक स्टेटस अपडेट का काम करते हैं। जैसे कि हैपिली मैरिड जैसे पोस्टर के साथ पोज हमेशा एक खुशनुमा अहसास दिलाते हैं।

RNI No. : UPHIN/2017/74695, **स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक** - सुरेंदर सिंह बिष्ट, शॉप नं. 3, शान्ति मार्केट, लक्ष्मणपुरी गेट, फैजाबाद रोड, इन्दिरा नगर, लखनऊ - 226016 द्वारा ज्ञान प्रिंटर्स, 207, 208 लेखराज मार्केट-2, इन्दिरा नगर, लखनऊ-226016 से प्रकाशित।

सम्पादक - सुरेंदर सिंह बिष्ट, फोन - 9335915600, 0522-4108575, ई-मेलः mailtostudionews@gmail.com, वेबसाइट : www.studionews.co.in